आजीवन प्रतिबंध को खत्म कर दिया था

साल 2018 में केरल उच्च न्यायालय ने बीसीसीआई द्वारा उन पर लगाए गए आजीवन प्रतिबंध को खत्म कर दिया था और उनके खिलाफ सभी कार्यवाही को भी रद्द कर दिया था। हालांकि, उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने प्रतिबंध की सजा को बरकरार रखा था। श्रीसंत ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

फिटनेस साबित कर केरल रणजी टीम में खेल सकते हैं श्रीसंत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज शांताकुमार श्रीसंत अपना प्रतिबंध समाप्त होने के बाद केरल की रणजी टीम में खेल सकते हैं। केरल क्रिकेट संघ ने सितंबर में उनका प्रतिबंध समाप्त होने के बाद रणजी टीम में चयन के लिए उनके नाम पर विचार करने का फैसला किया है। हालांकि श्रीसंत को उससे पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। केरल रणजी टीम के नवनियुक्त कोच टीनू योहानन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, केसीए ने फैसला किया है कि एक बार जब सितबंर में उन पर लगा प्रतिबंध समाप्त हो जाएगा तो फिर टीम में चयन के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि टीम में उनका चयन उनकी फिटनेस स्तर पर निर्भर करेगा। उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इस समय क्रिकेट को लेकर बाहर कुछ भी नहीं हो रहा है, नहीं तो उन्हें मैदान पर इस समय खेलते हुए देखते और उन्हें फिटनेस टेस्ट देते देखते। इस समय कुछ भी कहना मुश्किल है। भारत के लिए 3 टेस्ट और 3 वनडे मैच खेल चुके योहानन ने आगे कहा कि क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने के लिए श्रीसंत को हर संभव मदद और समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, श्हम सब उन्हें फिर से खेलते हुए देखना चाहते हैं और हम टीम में उनका स्वागत करेंगे।

अपनी इस विरासत पर खुश हैं सौरभ गांगुली

क्रिकेट

टीम में 6-7 ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने मेरे अंडर डेब्यू किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट का नया इतिहास लिखने का श्रेय पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली को ही जाता है। गांगुली ही वह शिल्पकार थे, जिसने वर्ल्ड चौंपियन बनने वाली टीम इंडिया को तराशना शुरू किया था। 2011 में भारतीय टीम जब वर्ल्ड कप जीती थी उस टीम का हिस्सा भले सौरभ गांगुली न हों लेकिन इस जीत की बुनियाद उन्होंने ही रखी थी। 2011 वर्ल्ड कप जीत का हिस्सा ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी थे, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत गांगुली के ही नेतृत्व में की थी और यह गांगुली ही थे, जिन्होंने इन खिलाड़ियों को मैच विनर बनाने का हौसला दिया।

मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ऑनलाइन लेक्चर अनअकैडमी में टीम इंडिया की वर्ल्ड कप जीत पर बात कर रहे थे। इस दौरान दादा ने कहा, मैंने हमेशा उन खिलाड़ियों को सपॉर्ट किया, जो मैच जिता सकते थे। कप्तान के रूप में यह मेरी विरासत है। इस पूर्व लेफ्टहैंडर बल्लेबाज ने कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि मेरी बनाई हुई टीम में घरेलू और विदेशी पिचों पर मैच जीतने की क्षमता आई।

बता दें वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा और एमएस धोनी ने सौरभ गांगुली के नेतृत्व में ही अपने करियर की शुरुआत की थी। ये सभी खिलाड़ी वर्ल्ड कप 2011 की विनिंग टीम का हिस्सा थे। गांगुली को भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में गिना जाता है।

2011 वर्ल्ड कप जीत पर बात करते हुए गांगुली ने कहा, मुझे याद है मैं उस रात वानखेड़े मैदान में ही था। मैं धोनी को देखने के लिए कॉमेंट्री बॉक्स से बाहर आ गया था। मुझे तब 2003 वर्ल्ड कप याद आ गया था। मैच जिस टीम की कप्तानी कर रहा था वह टीम फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। मुझे बेहद खुशी हुई थई कि धोनी के पास ट्रोफी जीतने का मौका था और उन्होंने वह कर दिखाया।

बता दें धोनी की टीम में ज्यादातर खिलाड़ी वे थे, जो 2003 वर्ल्ड कप का भी हिस्सा थे। इनमें सचिन तेंडुलकर, वीरेंदर सहवाग, युवराज सिहं, जहीर खान, आशीष नेहरा और हरभजन सिंह शामिल हैं।

इस रॉयल बंगाल टाइगर ने कहा, लेकिन मेरे लिए भी सबसे बड़ा दिन वही था, जब 2011 में भारत ने वर्ल्ड कप अपने नाम किया। धोनी ने अंतिम गेंद पर शानदार छक्का लगाया, जिसे भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।

आर अश्विन ने कहा, धोनी का मेरे करियर पर गहरा प्रभाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि महेंद्र सिंह धोनी का उनके करियर पर 'गहरा प्रभाव' रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग में अपने शुरुआती वर्षों में वह इस पूर्व कप्तान का ध्यान आकर्षित करना चाहते थे।

आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक चेन्नै सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ अश्विन को 2008 में अनुबंध मिला था और अश्विन ने कहा कि सीएसके के साथ बिताए समय ने उनके करियर को दिशा दी। अश्विन ने 'क्रिकबज इन कनवर्सेशन' पर हर्षा भोगले से कहा, 'आईपीएल और सीएसके ऐसा मंच है जिसे सभी हासिल करना चाहते हैं। मेरे लिए यह पहचान बनाने का जरिया था। धोनी को नहीं पता था कि अश्विन कौन है, (मैथ्यू) हेडन और (मुथैया) मुरलीधरन को नहीं पता था कि अश्विन कौन है। पहली चीज जो मेरे दिमाग में आई वह यह थी कि मैं इन लोगों को दिखाऊंगा कि अश्विन यहां है।'

अश्विन ने कहा कि सीएसके की अगुआई करने वाले धोनी का उनके ऊपर 'गहरा प्रभाव' रहा और उन्हें प्रभावित करने का एकमात्र तरीका उनको नेट पर परेशान करना था। उन्होंने कहा, 'मैंने हेडन, जेकब ओरम और स्टीफन फ्लेमिंग का ध्यान नेट पर उन्हें गेंदबाजी करते हुए खींचा। पहले साल (2008 में) उन्हें मेरा सामना करने में परेशानी हो रही थी लेकिन मैं धोनी का ध्यान नहीं खींच पाया।'

अश्विन ने कहा, 'मेरी उनसे कभी लंबी बात नहीं हुई। इसके लिए मुझे नेट पर धोनी को आउट करना था। वह मुरलीधरन पर छक्के मार रहे थे और मैंने सोचा कि अगर मैं उनसे बेहतर गेंदबाजी करूंगा तो मुझे मुरली पर तरजीह मिल सकती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने चौलेंजर ट्रोफी के दौरान उन्हें आउट करके और फिर छोटे बच्चे की तरह जश्न मनाकर उनका ध्यान खींचा।'

पीसीबी प्रमुख को इस साल टी20 विश्व कप का आयोजन की संभावना नहीं दिखती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष एहसान मनी ने बुधवार को कहा कि उन्हें इस साल ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के आयोजन की संभावना नजर नहीं आती क्योंकि कोविड-19 महामारी बड़ा खतरा बनी हुई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन अर्ल एडिंग्स ने स्वीकार किया था कि टी20 विश्व कप का आयोजन 'अवास्तविक' नजर आता है क्योंकि 16 टीमों को देश में लाना मुश्किल होगा जिसके एक दिन बात मनी ने यह टिप्पणी की है। मनी ने संवाददाताओं से कहा, 'हमने काफी चर्चा की और यह महसूस किया कि इस साल इसका आयोजन संभव नहीं है। आईसीसी के 2021 और 2023 में विश्व कप होने हैं इसलिए हमारे पास बीच में एक साल का समय है जब हम इस टूर्नामेंट को जगह दे सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'अल्लाह ना करे अगर टूर्नामेंट के दौरान कोई खिलाड़ी बीमार हो गए या कोई दुखद घटना हुई तो इसका बड़ा असर पड़ेगा और क्रिकेट जगत में डर पैदा होगा और हम यह जोखिम नहीं उठा सकते।' हफ्ते अपने बोर्ड की बैठक के बाद कहा था कि टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर फैसला अगले महीने किया जाएगा।

न्यूज डायरी

भारत-चीन सीमा विवाद-आईपीएल पर भी पड़ सकता असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद का असर अब भारतीय क्रिकेट पर भी पड़ सकता है। गलवान वैली में हुई झड़प जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए, के बाद चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान किया जा रहा है। अब इसका असर इंडियन प्रीमियर लीग और टीम इंडिया पर भी नजर आ सकता है। इंडियन प्रीमियर लीग का टाइटल स्पॉन्सर चीनी स्मार्टफोन कंपनी वीवो है। इतना ही नहीं कंपनी टूर्नमेंट के दौरान सबसे ज्यादा विज्ञापन भी देती है। चीनी कंपनी ने 2018 में 2199 करोड़ रुपये में पांच साल के लिए यह अनुबंध हासिल किया था। हालांकि अभी तक इस साल आईपीएल नहीं हुआ है लेकिन इन भावनाओं के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सामने वीवो को लेकर कश्मकश जरूर होगी।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान स्ट्रॉस क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ पद की दौड़ में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस वित्तीय संकट से जूझ रहे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। हाल में केविन रॉबर्ट्स के इस्तीफे के बाद यह पद खाली पड़ा हुआ है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से ही वित्तीय संकट से जूझ रहा है। इससे निबटने के लिए रॉबर्ट्स ने अप्रैल में 80 प्रतिशत स्टाफ कम कर दिया था। उन्होंने प्रांतों की अनुदान राशि में कमी कर दी थी और वह खिलाड़ियों के साथ नए भुगतान करार पर काम कर रहे थे। रॉबर्ट्स के कुछ फैसलों की कड़ी आलोचना भी हुई। 'द ऑस्ट्रेलियन' की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रभावशाली व्यक्ति ने स्ट्रॉस से इस पद के लिए आवेदन करने को कहा है। स्ट्रॉस इससे पहले 2015 से 2018 तक इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक रह चुके हैं। रॉबर्ट्स के त्यागपत्र देने के बाद इंग्लैंड में जन्मे निक हॉकले को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया लेकिन संचालन संस्था पूर्णकालिक सीईओ की तलाश में है। स्ट्रॉस ने 100 टेस्ट में 7037 रन और 127 वनडे में 4205 रन बनाए।

हॉकी कोच रमेश परमेश्वरन ने द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व सहायक कोच रमेश परमेश्वरन ने खेल प्रशिक्षकों को दिए जाने वाले द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन किया है। हॉकी इंडिया ने बीजे करियप्पा और रोमेश पठानिया के नाम की सिफारिश कोच को दिए जाने वाले देश के सर्वोच्च सम्मान द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए की है। परमेश्वरन ने हॉकी कर्नाटक के जरिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए आवेदन करने का फैसला किया। इस 70 वर्षीय कोच ने कहा, 'यह मेरे लिए जूनियर खिलाड़ी से लेकर राष्ट्रीय कोच बनने तक लंबी, शानदार और संतोषजनक यात्रा रही। मेरे जीवन में भी उतार चढ़ाव आए, हार और जीत मिली लेकिन कुल मिलाकर यह मेरे पास सबसे अच्छा अनुभव है।' परमेश्वरन 2015 से कर्नाटक हॉकी अकैडमी में कोच हैं जहां वह युवा खिलाड़ियों को तराश रहे हैं।

रेसलर सुशील कुमार ने की चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय पहलवान सुशील कुमार ने भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध के बाद लोगों से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की। सोमवार रात पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प में देश के 20 जवान शहीद हो गए। चीन के भी 40 जवानों के मारे जाने की खबर है। ओलिंपिक मेडलिस्ट रेसलर सुशील ने एएनआई से कहा कि वह इस खबर से काफी दुखी हैं कि भारतीय जवान शहीद हुए। उन्होंने कहा, मैं यह सुनकर बहुत दुखी हूं कि हमारे सैनिक चीन के साथ खूनी संघर्ष में शहीद हो गए। सबसे पहले सैनिकों और उनके परिवारों को सलाम क्योंकि जवान देश की सेवा करते हुए शहीद हुए। उन्होंने आगे कहा, चीन यह सब ऐसे समय में कर रहा है जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए एकजुट है।